गणतंत्र दिवस के नारे "मिशन अभ्युदय"

गणतंत्र दिवस का दिन है सुहाना, इस दिन संविधान की बातों को हमें होगा अपनाना।

गणतंत्र दिवस आया है, राष्ट्रभक्ति और प्रेम का दिन लाया है।

आओ गणतंत्र दिवस पर मिलकर करें कार्य, उठाये देशहित का सेवाभार।

गणतंत्र दिवस के दिन आजाद हुआ भारतवर्ष, इसकी स्वतंत्रता को बरकरार रखने हेतु करना होगा हमें संघर्ष।

संविधान से ही भारत बना गणतंत्र, इसके ही कारण हर व्यक्ति जीवन जीता है स्वतंत्र।

आओ मिलकर मनाये गणतंत्र दिवस, देश को और उन्नत करने की ले शपथ।

गणतंत्र दिवस है हमारे दिलों के काफी पास, इसलिए यह राष्ट्रीय पर्व है हमारे लिए काफी खास।

(1)गली-गली जाएंगे वीरों की गाथा गाएंगे

आज फिर हम गणतंत्र दिवस मनाएंगे

(2)स्वर्ग सा हम देश बनाएंगे

गणतंत्र हम हर वर्ष मनाएंगे

(3)कश्मीर से कन्याकुमारी तक वीरों की है यह भूमि

नमन कर के वीरों को हम गणतंत्र हमारा मनाएंगे

(4)कदम से कदम मिलाएंगे विश्व विजय तिरंगा भारत का हम लहराएंगे

इस तरह हम गणतंत्र दिवस मनाएंगे

(5)खून की होली खेलने वाले वीरों को प्रणाम

आज दिन है हमारा आज दिन है उनका

Webpagepdf.com

आज गणतंत्र दिवस है हमारा

(6)हमारा स्वाभिमान और अभिमान है वीरो का बलिदान

उनका कृतज्ञ रहकर शीना तान के गणतंत्र दिवस मनाएंगे

(7)हाथ से हाथ मिलाएंगे और हर घर में तिरंगा फहराएंगे

गर्व से हम गणतंत्र दिवस मनाएंगे

(8)हमारे अधिकारों की रक्षा करता वह गणतंत्र हमारा

आज फिर हम देश का उत्सव गणतंत्र दिवस मनाएंगे

(9)अमन, शांति और शिक्षा की गाथा गाएंगे

वीरों को सम्मान और भारत माता को प्रणाम

इस तरह हम गणतंत्र दिवस मनाएंगे

(10)नई चेतना, नया विकास, नव निर्माण कराएंगे

शहीदों के बलिदान को हम फिर याद कर आएंगे

ऐसे हम गणतंत्र दिवस का तिरंगा फहराएंगे

(11)फिर से हम सबका खून खौला

सबके मन ने भारत मां बोला

आज फिर सबसे ऊंचा तिरंगा हम लहराएंगे

(12)आज दिन है खुशियों का आया, आज दिन वीर शहीदों का आया

जरा याद कर लो उनको भी आज दिन गणतंत्र दिवस का आया

(13)वीरों की भूमि पर जन्म लिया हमने, इसका कर्ज हम चुकाएंगे

नया भारत बनाएंगे तिरंगा चारों ओर लहराएंगे

(14)वीर शहीदों ने देखा था जो सपना वो सच कर दिखाएंगे

Webpagepdf.com

ऐसे हम स्वाभिमान से गणतंत्र दिवस मनाएंगे

(15)सबको मिलजुल कर जीना सिखाता

सब के अधिकारों की रक्षा करता

सबसे प्यारा गणतंत्र है हमारा

(16)आज वीर शहीदों का दिन आया है

जान से भी प्यारा गणतंत्र दिवस आया है

(17)लोकतंत्र की रक्षा करने वाला

अधिकारों की याद दिलाने वाला

गणतंत्र दिवस आया है

(18)नमन है शहीदों के बलिदान को

सलाम है तिरंगे के अभिमान को

(19)हवाओं ने रुख मोड़ लिया तिरंगा लहराने को

हम भी शान से लहराएंगे वीरों के इस अभिमान को

भारत की शान को, आज गणतंत्र हम मनाएंगे

(20)जश्न मनाना है, तिरंगा फहराना है

लेकिन वतन के लिए शहीद हुए वीरों को भी याद कराना है

(21)सभी अधिकारों का रक्षक अपना यह गणतंत्र पर्व है

लोकतंत्र ही मंत्र हमारा हम सबको इस पर ही गर्व है

(22)शौर्य का, स्वाभिमान का, अभिमान का

तिरंगा प्रतिक है हमारे हिंदुस्तान का

(23)सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा

Webpagepdf.com

हम बुलबुले हैं इसके ये गुलसिता हमारा

प्यारा हिंदुस्तान हमारा, ये गणतंत्र हमारा

(24)ना आन का, ना बान का, नशा मातृभूमि की शान का

लहराएंगे हर जगह तिरंगा हिंदुस्तान का

(25)एकजुट है हम एकता हमारा अभिमान है

वीर शहीदों के बलिदान को प्रणाम है

गर्व से कहो हम हिंदुस्तान की संतान है

गणतंत्र दिवस जब आता है, भारत विश्व को अपनी शक्ति दिखलाता है।

26 जनवरी को मिली थी भारत को गणतंत्र की शक्ति, क्योंकि यह है वह वस्तु जो हमें देती है आजादी की अभिव्यक्ति।

गणतंत्र दिवस डालता है भारत में नये प्राण, इसके बिना लोकतंत्र हो जायेगा निष्प्राण।

26 जनवरी के दिन हुआ था नवभारत का आरंभ, पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त करके भारत ने तोड़ा था अंग्रेजी हुकूमत का दंभ।

26 जनवरी को मिला भारत को गणतंत्र का वरदान, इसीलिए है गणतंत्र दिवस का यह दिन बहुत महान।

आओ मिलकर सबको समझाएं गणतंत्र दिवस का अर्थ, समाज को बनाएं शक्तिशाली और लोगों को बनाए समर्थ।

गणतंत्र दिवस है भारतीय गणतंत्र का प्रतीक, इस दिन गणतंत्र दिवस परेड में दिखलायी जाती है भारतीय रक्षा तकनीक।

स्वतंत्रता तब तक स्वतंत्रता नहीं है जब तक कि ये सभी को बराबर अधिकार प्रदान न करे।

सही अर्थों में दासता स्वतंत्रता से अच्छी है, कम से कम ये सभी के साथ एक जैसा तो व्यवहार करती है।

Webpagepdf.com

स्वतंत्रता कुछ भी नहीं है, इसलिये दिखाई नहीं देती सिर्फ महसूस की जाती है।

स्वतंत्रता किसी भी शासक से आजाद होना नहीं है बल्कि सभी बंधनों से मुक्त होना है चाहे वो शारीरिक, सामाजिक, राजनीतिक, मानसिक या बौद्धिक ही क्यों न हो।

स्वतंत्रता वो धन है जो मनुष्य को शारीरिक, मानसिक सामाजिक और मनोवैज्ञानिक तौर पर खुश करता है।

एक युवा होने के नाते हमें केवल एक सत्य में विश्वास में करना चाहिये कि हम देश का भाग्य बदलने की ताकत है।

राष्ट्रीय ध्वज के रंगों को मत देखों, बस केवल इसके पीछे छिपे अर्थ को महसूस करो।

हम लोकतांत्रिक देश में रहने पर गर्व महसूसस करते हैं, हांलाकि क्या हम लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ जानते हैं?

हम शासकीय प्रणाली आजाद हो चुके हैं, किन्तु अभी भी भ्रष्टाचार और आतंकवाद से शासित है।

हम मंगल ग्रह तक अपनी पहुँच बनाने में सफल हो गये पर अपनी संकीर्ण मानसिकता में आज भी जकड़े हुये हैं।

हम अंतरिक्ष में नये आसियाने की खोजो में लगे हैं पर पृथ्वी पर बसे हुये पुराने आसियाने को उजाड़ रहे हैं।

हम आजादी पाने के लिये छटपटाते हैं और मिलने पर उसका सही अर्थ नहीं समझ पाते हैं।

हम विदेशी शासकों से तो आजाद हो चुके हैं पर अपने राजनेताओं के जातिवाद और क्षेत्रवाद में उलझे हुये हैं।

वास्तविक अर्थ में, स्वतंत्रता बिमारियों, लालच और मानसिक गंदगी से आजाद होना है।

स्वतंत्रता की वास्तविक स्थिति वो है जहाँ एक अपनी पाँचो ज्ञानेद्रियों को अपने वश में कर लेता है।

चलो, इस गणतंत्र दिवस पर एक स्वप्न देखे: एक राष्ट्र, एक उद्देश्य और एक पहचान।

भारतीय होना हमारी पहचान है, हांलाकि गणतंत्र होना हमारे देश की पहचान है।

तिरंगा, जिससे हम गणतंत्र दिवस पर फहराते हैं, हमारी आजादी का संकेतक है।

Webpagepdf.com

इस गणतंत्र दिवस पर अन्तिम सांस तक देश के लिये जीने की एक प्रतिज्ञा लेते है।

यदि आप स्वतंत्रता से जीना चाहते हो तो अपने देश को प्यार करो!

Webpagepdf.com